

पत्र सूचना शाखा  
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०  
(राजभवन सूचना परिसर)

-----  
राज्यपाल ने कानपुर में हस्तशिल्प और कारीगरों के उत्पादों की क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी में भ्रमण कर कारीगरों का उत्साह बढ़ाया।  
-----

लखनऊ: 27 जनवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज लाजपत भवन, मोतीझील में आयोजित क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी में प्रतिभाग कर विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों का उत्साहवर्द्धन किया तथा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी कानपुर में 26 जनवरी से 30 जनवरी, 2024 तक आयोजित की जा रही है। क्राफ्टरूट्स भारत के 21 राज्यों में 25000 से अधिक कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक अग्रणी संस्था है। यह शिल्प प्रदर्शनी हमारे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के विभिन्न कोनों से 80 शिल्पों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक कारीगरों को एक जीवंत मंच प्रदान करेगी। क्राफ्टरूट्स कानपुर प्रदर्शनी परंपरा और नवीनता के अनूठे मिश्रण का वादा करती है, जिसमें कांच बनाने, मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक नेल पेंटिंग और विभिन्न अन्य शिल्पों में लाइव कार्यशालाएं शामिल हैं। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को इन शिल्पों के पीछे की जटिल प्रक्रियाओं को देखने का अवसर मिलेगा, जिससे कारीगरों के कौशल और समर्पण के प्रति गहरी सराहना बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 60 प्रदर्शनी आयोजित हो चुकी है लेकिन जितना प्यार व सहयोग कानपुर में मिला है इतना कहीं और नहीं मिला, इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा और उनकी कला को सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि कला (आर्ट) एक विशेषता है। उन्होंने कहा कि हमारा ऐसे कई परिवारों से मिलना हुआ जो क्राफ्ट बनाते थे उसी से उनका परिवार चलता था। उन्होंने कहा कि क्राफ्ट हमारी कला है जो लुप्त हो रही है। ऐसी प्रदर्शनी का आयोजन कर लुप्त हो रही कला को बचाना है और कारीगरों को अवसर प्रदान करना है। क्राफ्ट से गरीब लोग जुड़े हैं, हमें उनकी मदद करनी है, उन्हें सहयोग करना है। गरीब कमाएगा तो अपने बच्चों को पढायेगा और उनकी अच्छी परवरिश करेगा।

उन्होंने कहा कि जब हम यह सोचते हैं कि हमें कुछ अच्छा करके दिखाना है तो आप उसको कर दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जो कौशल है उसको बचाना है यदि हम थोड़ा सहयोग करेंगे तो लोगों को रोजगार मिलेगा, यही क्राफ्ट रूट का लक्ष्य है, आपका का थोड़ा सा सहयोग कितने लोगों की मदद करता है।

उन्होंने कहा यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, जो विभिन्न राज्यों के कारीगरों को अपनी शिल्प कौशल दिखाने और पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने में योगदान देने के लिए एकजुट करता है।

इस अवसर पर महापौर प्रमिला पाण्डेय, कुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय विनय पाठक सहित आयोजक गण, विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकार व जनसामान्य उपस्थित रहे।

-----  
डॉ० सीमा गुप्ता, सहायक निदेशक सूचना,  
कृष्ण कुमार

सूचना अधिकारी, राजभवन  
सम्पर्क सूत्र- 8318116361

